

डाइरिया



Bangani

डाइरिया

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



उतराखण्ड रै एक छोटौ जाईं गाउँ दि, 5
साल रौ मोहन आपड़ै आमा पापा रै साथै
रौयै थौ। गौर्मी रै दुसु दि सै बारै खेल्लै डैण
थै, खेली खेलियो जौ तिउँकै चीश लागै
थी तै सै हैंडपंप रौ पाणी पियैण थै।



एक दूस , मोहन रौ पेट बौरी दुखदै लागौ
औज़ि ते दौस्त बी लागै। तेसरी आमा
सौरिताइ देखौ कि मोहन बौरी कमज़ोर रौ
औन्दै लागी। औज़ि तेस बुखार बी रौ
आन्दै लागी।



सौरिताइ आपडै पोड़ोसी दादी री सौला
गिणी । तियै गौरेलु बौरी उपचार रै बारे दि
बोलौ, तिउं कौरियौ बी मोहन री हालत
दि सुदार ना उवौ, बौल्कि सेउ औज़ि बी
बौरी कमज़ोर उई गोऔ थौ ।



पौरेशान उइयौ, सौरिताइ गाउँई री एक
स्वास्थ्य सेवा दि काम कौरणै वाळी,
गीता, औटाई, गीताइ मोहन री जाँच
कौरियौ बोलौ, कि एस सौकाळी नौज़िक
रै औस्पताल दि गिणौ।



औस्पताल दि, डौक्टरेइ बोलौ कि मोहनेइ
डाइरिया उई गोऔ, एउ गान्दौ पाणी पिणै
कौइ उवौन्दौ। तिउं सौरिता आरी बोलौ
कि डाइरिया पेटारौउं खि बौरी गौम्बीर
औई सौकै औज़ि एसरौ बौक्ते दि इलाज़
कौराणौ बौरी ज़ौरुरी औयै।



डौक्टरेड मोहन कौड ओआरएस (ओरल
रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) देणने री सौला
देणी औज़ि कुछ दुवाइयै बी लिखी। औज़ि
साथी तिउं सौरिता आरी साफ उबाळौन्दौ
पाणी पिणेखि औज़ि साफ सौफाइ रौ
दियान थौणेखि सौमज़ाइ।



गौरकै डेइयौ सौरिताइ मोहन कौइ
ओआरएस पियाओ औज़ि डौक्टर री
देणियौन्दि दुवाइ बी बौक्ते बौक्ते दि देणी।
तैबै आराम आराम कौइ मोहन री सेहत दि
सुदार औन्दै लागौ। औज़ि तेसरी ताकत
वापस आन्दी लागी।



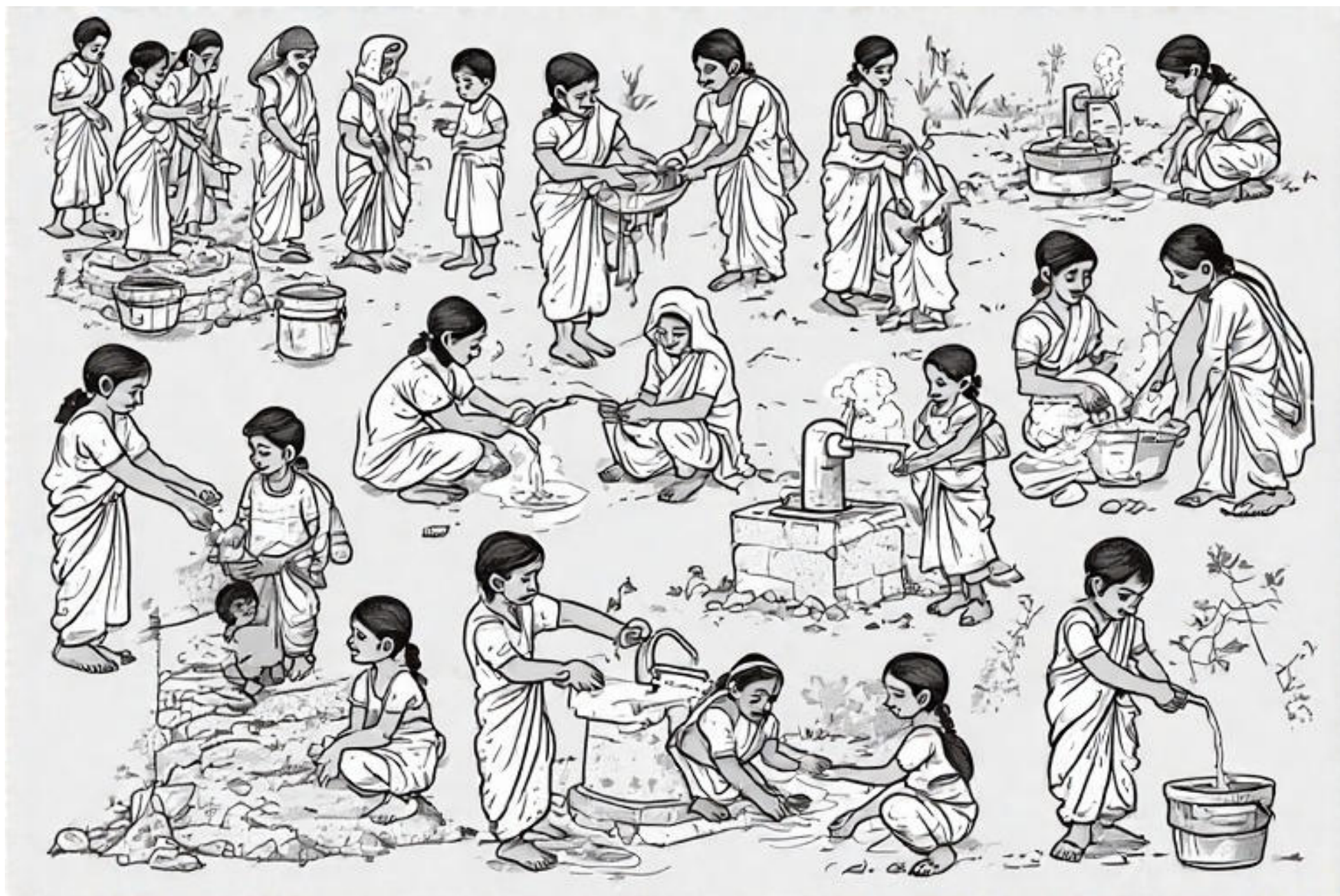
एज़ि गौटना कौइ सौरिताइ शिकौ कि
साफ पाणी औज़ि साफ सौफाइ दि दियान
देणनौ केती ज़ौरुरी औयै। तेसबासियै
तिउँरै गौरेदि सारिउँ खि उबाळौन्दौ साफ
पाणी औज़ि खाणौ खाणै कौइ औगौणिकै
आथ दोएण थै।



सौरिताइ गाउँ दि दुजै लोगु आरी बी
आपड़ौ अनुबव रै बारेदि बोलौ। तियै सै
सौमजायै कि गान्दौ पाणी पिणै कौइ
औज़ि साफ सौफाइ ना कौरणै री
बौजै कौइ डाइरिया बाशी बीमारियै
फैली सौकै।



स्वास्थ्य सेवा दि काम कौरणै वाळी,
गीताइ, गाउँ दि एक जागरूकता अभियान
चौलाओ। तियै सारिउँ आरी साफ-सौफाइ
औज़ि साफ पाणी पिणै रै बारेदि लोग
शिक्षित कियै।



तैबै गाउँ वाळौउँ मिलियौ हैंडपंप री
सौफाइ की औज़ि सारिउँ आपस माई तय
कियौ कि सारै लोग उबाळौन्दौ पाणी पियै
लै। औज़ि साथी पेटारौउँ कौइ बौड़िया
कौइ आथ दोणौ बी शिकाओ।



सारै लोगु मिलियौ काम कियौ एज़ि बौजै
कौइ गाउँ दि डाइरिया री बीमारी कम उई
औज़ि मोहन बी ठीक उई गोऔ थौ।
औज़ि सौरिता री पौरेशानी बी खौतम उई।
जागरूकता अबियान औज़ि साफ सौफाइ
कौरणै कौइ बौरी बौदलाव उवौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

